एम.ए. पाठ्यक्रम

III & IV SEMESTER

(वर्ष 2023–24)

(NEP-2020)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Proposed Course Structure of the Academic Programme with Multiple Entry - Multiple Exit Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020

M.A. III & IV SEM (Hindi)
(2023-24)

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L10	IIIrd	Discipline Specific : Major-1	HIN-DSM-321	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त	6
		Discipline Specific : Major-2	HIN-DSM-322	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परम्परा और दृष्टि	6
		Multi Disciplinary : Major-3	HIN-MDM-323	हिन्दी आलोचना : इतिहास एवं दृष्टि	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-321	व्यावहारिक हिन्दी : विविध आयाम	4
L11	IVth	Discipline Specific : Major-4	HIN-DSM-421	हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान	6
		Discipline Specific : Major-5	HIN-DSM-422	अस्मितावादी विमर्श और साहित्य	6
		Multi Disciplinary : Major-6	HIN-MDM-423	भारतीय साहित्य	6
		Skill Enhancement Course (SEC)	HIN-SEC-421	रंगमंच, सिनेमा और हिन्दी साहित्य	4

Exit with Degree

Level-10

हिन्दी विभाग

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

Discipline Specific Major-1

HIN-DSM-321 (भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-10 SEM-III	HIN-DSM-321	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचित कराना है, जिससे वे भारतीय साहित्यशास्त्र की परम्परा के साथ पाश्चात्य साहित्यिशास्त्र चिंतन की पंरपरा को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन विश्लेषण से विद्यार्थी काव्य निर्माण की रचना प्रक्रिया और उसके उपादानों को समझ सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	काव्य के लक्षण से परिचित हो सकेंगे।
CO2	रस की अवधारणा को समझ सकेंगे। अलंकार, रीति और ध्वनि सिद्धान्त से परिचित हो सकेंगे।
CO3	भारतीय साहित्यशास्त्र के अन्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों जैसे कि वक्रोक्ति, औचित्य इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।
CO4	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में प्लेटो, अरस्तू, लांजाइनस, क्रोचे एवं रिचड्र्स के योगदान को समझ सकेंगे।
CO5	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में कालरिज, इलियट इत्यादि के सिद्धान्त को समझ सकेंगे तथा पाश्चात्य साहित्य चिंतन के क्षेत्र में विभिन्न वादों से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य की आत्मा (18 व्याख्यान)

इकाई–2 रस सिद्धान्त : रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, प्रमुख व्याख्याकार, साधारणीकरण (18 व्याख्यान)

अलंकार सिद्धान्त : अवधारणा एवं स्वरूप
रीति सिद्धान्त : अवधारणा एवं स्वरूप
ध्वनि सिद्धान्त अवधारणा एवं स्वरूप

इकाई–3 वक्रोक्ति सिद्धान्त : अवधारणा एवं स्वरूप (18 व्याख्यान)
औचित्य सिद्धान्त : अवधारणा एवं स्वरूप
हिन्दी काव्यशास्त्र : प्रमुख आचार्य और उनकी मान्यतायें

इकाई–4 प्लेटो : अनुकरण सिद्धान्त (18 व्याख्यान)
अरस्तू : अनुकृति, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन सिद्धान्त
लांजाइनस : उदात्त सिद्धान्त
क्रोंचे : अभिव्यंजनावाद
रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, भाषा के विविध रूप

इकाई–5 कालरिज : कल्पना सिद्धान्त (18 व्याख्यान)
टी.एस. इलियट : निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण
अन्य सिद्धान्त : स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद

सहायक ग्रन्थ :

- काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद और प्राच्य–काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- काव्यचिंतन की पश्चिमी परम्परा – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिंद्धात – गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा – रामचन्द्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Level-10

हिन्दी विभाग

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

Discipline Specific Major-2

HIN-DSM-322 (हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परम्परा और दृष्टि)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-10 SEM-III	HIN-DSM-322	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परम्परा और दृष्टि	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्येतिहास से परिचित कराना है, उन्हें भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्येतिहास लेखन की दृष्टि को समझने के लिए तैयार करना है।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन विश्लेषण से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित हो सकेंगे तथा वे इतिहास लेखन की दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	साहित्य और इतिहास के सम्बन्ध को तथा साहित्येतिहास लेखन की दृष्टि को जान सकेंगे।
CO2	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित हो सकेंगे।
CO3	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की विकास यात्रा का अवगाहन कर सकेंगे।
CO4	हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की समस्या से परिचित हो सकेंगे।
CO5	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की दृष्टि की सम्यक् पहचान कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 साहित्य और इतिहास, स्मृति और इतिहास **(18 व्याख्यान)**

भारतीय और पाश्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि

साहित्येतिहास की सामग्री एवं चयन का प्रश्न

इकाई–2 हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा का प्रारंभ **(18 व्याख्यान)**

गार्सा द तासी, जार्ज ग्रियर्सन, मिश्रबंधु, शिवसिंह सेंगर

इकाई–3 हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की विकास–यात्रा **(18 व्याख्यान)**

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामकुमार वर्मा, गणपतिचन्द्र गुप्त, नलिन विलोचन शर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, बच्चन सिंह, सुमन राजे, नीरजा माधव

इकाई–4 हिन्दी साहित्य का इतिहास **(18 व्याख्यान)**

काल विभाजन, नामकरण और प्रवृत्तियाँ : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल

इकाई–5 हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की दृष्टि **(18 व्याख्यान)**

शास्त्रीय दृष्टि, मानववादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, नव्येतिहासवादी दृष्टि (सबाल्टर्न चिंतन, स्त्री इतिहास लेखन, इत्यादि)

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक–डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- भक्ति काव्य और लोकजीवन – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि – सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Level-10

हिन्दी विभाग

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

Multi Disciplinary Major-3

HIN-MDM-323 (हिन्दी आलोचना : इतिहास एवं दृष्टि)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-10 SEM-III	HIN-MDM-323	हिन्दी आलोचना : इतिहास एवं दृष्टि	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Ashutosh Mishra

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना के इतिहास से परिचित कराना है।
- हिन्दी आलोचना के इतिहास से परिचित होकर विद्यार्थी अपने अंदर नये आलोचना बोध का निर्माण कर सकेंगे तथा एक नई दृष्टि का विकास कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास से परिचय हो सकेंगे।
CO2	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के पूर्व हिन्दी आलोचना की परम्परा को जान सकेंगे।
CO3	आचार्य शुक्ल के युग में हिन्दी आलोचना के विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO4	आचार्य शुक्ल के उत्तरोत्तर हिन्दी आलोचना के विकास को समझ सकेंगे।
CO5	हिन्दी साहित्य के ऐसे आलोचक जो रचनाकार भी हैं – को जान सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 हिन्दी आलोचना का इतिहास : परम्परा और विकास **(18 व्याख्यान)**

इकाई–2 शुक्ल पूर्व आलोचना **(18 व्याख्यान)**

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्रबन्धु, श्यामसुन्दर दास

इकाई–3 शुक्लयुगीन आलोचना **(18 व्याख्यान)**

रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

इकाई–4 शुक्लोत्तर युगीन आलोचना **(18 व्याख्यान)**

नन्ददुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र, नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही, निर्मल वर्मा

इकाई–5 हिन्दी साहित्य के रचनाकार आलोचक **(18 व्याख्यान)**

प्रेमचन्द, प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, एवं मुक्तिबोध

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक हिन्दी काव्यालोचना के सौ वर्ष – प्रो. पुष्पिता अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- आलोचना की जमीन – विनोद शाही, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा
- आलोचना का जनतंत्र – देवेन्द्र चौबे, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा
- समकालीन हिन्दी आलोचना – संपादक–परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- आलोचक और आलोचना – कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन पंचकूला, हरियाणा
- आलोचक और आलोचना – देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी आलोचना इतिहास और सिद्धांत – योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- आलोचना के सौ वर्ष (तीन भागों में) – संपादक– अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली

Level-10

हिन्दी विभाग

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-321 (व्यावहारिक हिन्दी : विविध आयाम)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-10 SEM-III	HIN-SEC-321	व्यावहारिक हिन्दी : विविध आयाम	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Afroz Begum

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के व्यावहारिक अनुप्रयोग से सम्पृक्त करना है।
- विद्यार्थियों के अन्दर हिन्दी व्याकरण की समझ पैदा करनी है तथा उन्हें हिन्दी के कार्यालयीन उपयोग से परिचित कराना है।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भाषा और व्याकरण के सम्बन्ध को जान सकेंगे। हिन्दी व्याकरण से परिचित हो सकेंगे।
CO2	शब्द और वाक्य निर्माण के क्रम में सन्धि, समास, मुहावरे, लोकोक्ति से परिचित हो सकेंगे।
CO3	प्रयोजनमूलक हिन्दी के आशय एवं उसके स्वरूप को समझ सकेंगे।
CO4	सरकारी पत्राचार से परिचित हो सकेंगे।
CO5	सरकारी कार्यालयों में हिन्दी के अनुप्रयोग को समझ सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 व्यावहारिक हिन्दी : अर्थ और सन्दर्भ, **(15 व्याख्यान)**

भाषा – परिभाषा एवं विशेषताएं, व्याकरण की परिभाषा, भाषा और व्याकरण का सम्बन्ध

हिन्दी व्याकरण : वर्णमाला, शब्दों के भेद, शब्द और पद, उपसर्ग एवं प्रत्यय, व्याकरणिक श्रेणियाँ (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया–विशेषण, लिंग, वचन एवं कारक)

इकाई–2 शब्द–वाक्य निर्माण **(15 व्याख्यान)**

संधि, समास, मुहावरे, लोकोक्तियाँ,
वाक्य के अंग, वाक्य के भेद, वाक्यगत और शब्दगत अशुद्धियाँ, विराम चिह्न

इकाई–3 हिन्दी का प्रयोजनमूलक स्वरूप **(15 व्याख्यान)**

प्रयोजन मूलक हिन्दी (आशय, सिद्धान्त, स्वरूप एवं विशेषतायें)
भाषा के विविध रूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा, सम्पर्क भाषा)

इकाई–4 सरकारी पत्राचार **(15 व्याख्यान)**

सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, राजपत्र, संकल्प, अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रतिवेदन

इकाई–5 सरकारी कार्यालयों में हिन्दी **(15 व्याख्यान)**

सार लेखन या संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन, हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी : विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भाषा और व्यवहार – बृजमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- सरकारी कार्यालयों में हिन्दी प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – राजनाथ भट्ट, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी भाषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Level-11

हिन्दी विभाग

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Discipline Specific Major-4

HIN-DSM-421 (हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-11 SEM-IV	HIN-DSM-421	हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Prof. Chanda Bain

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान की समझ विकसित करना है।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी भाषा की गहराई को समझ सकेंगे तथा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भाषा के आशय और हिन्दी भाषा के विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO2	भाषा विज्ञान के आशय और भाषा विज्ञान तथा अन्य शास्त्रों के सम्बन्ध को समझ सकेंगे।
CO3	ध्वनि विज्ञान के अध्ययन से वाक् यंत्रों की कार्यप्रणाली और ध्वनि परिवर्तन की दिशाओं को समझ सकेंगे।
CO4	पद विज्ञान के अध्ययन से शब्द, अर्थ और पद की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।
CO5	वाक्य विज्ञान के अध्ययन से वाक्य की रचना प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 भाषा : अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, उत्पत्ति संबंधी सिद्धांत, परिवर्तनशीलता और उसके कारण **(18 व्याख्यान)**

भाषा के विविध रूप : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय : प्राचीन भारतीय आर्यभाषायें, मध्यकालीन आर्यभाषायें, आधुनिक आर्यभाषायें

लिपि : अर्थ, विकास के चरण, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानकीकरण

इकाई–2	भाषा विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति भाषा विज्ञान की शाखायें : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान के अंग, भाषा विज्ञान और अन्य शास्त्र, भाषा विज्ञान की नई सैद्धांतिकी	**(18 व्याख्यान)**
इकाई–3	ध्वनि विज्ञान : स्वरूप और शाखायें, वाक् यंत्र (अवयव) और उसके कार्य, ध्वनि की अवधारणा और उसका वर्गीकरण, ध्वनियों के भेद ध्वनि परिवर्तन : कारण एवं दिशायें	**(18 व्याख्यान)**
इकाई–4	पद विज्ञान : पद और शब्द का भेद, पद रचना की पद्धतियाँ, पद विभाग, व्याकरिणक कोटियाँ अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ, परिवर्तन के कारण और दिशायें	**(18 व्याख्यान)**
इकाई–5	वाक्य विज्ञान : परिभाषा और स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्य के निकटतम अवयव	**(18 व्याख्यान)**

सहायक ग्रन्थ :

- आधुनिक भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय भाषा विज्ञान – किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भाषायी अस्मिता और हिन्दी – रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भाषा, भाषा विज्ञान और राजभाषा हिन्दी – महेन्द्र नाथ दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकेडमी, इलाहाबाद

Level-11

हिन्दी विभाग

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Discipline Specific Major-5

HIN-DSM-422 (अस्मितावादी विमर्श और साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-11 SEM-IV	HIN-DSM-422	अस्मितावादी विमर्श और साहित्य	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में अस्मिता एवं विमर्श के अध्ययन की समझ पैदा करना है।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी विमर्शवादी लेखन के क्षेत्र में स्त्री, दलित एवं आदिवासी विमर्श से परिचित हो सकेगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	अस्मिता और विमर्श के अर्थ को समझ सकेगा।
CO2	स्त्री विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित हो सकेगा।
CO3	दलित विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित हो सकेगा।
CO4	आदिवासी विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित हो सकेगा।
CO5	विमर्शवादी लेखन के क्षेत्र में कुछ चयनित पाठों का अध्ययन कर विमर्श की समझ विकसित कर सकेगा।

Course Contents :

इकाई–1 विमर्श : अर्थ और स्वरूप **(18 व्याख्यान)**

अस्मिता का अर्थ, अस्मितावादी विमर्श की अवधारणा, व्यक्ति, समूह और राष्ट्र के रूप में अस्मिता, अस्मिताओं के उभार के कारण

इकाई–2 स्त्री विमर्श : अर्थ, अवधारणा एवं सैद्धान्तिकी, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि **(18 व्याख्यान)**

प्रमुख विमर्शकार : अनामिका, कात्यायनी, मैत्रेयी पुष्पा, कृष्णा सोबती, प्रभा खेतान, सुजाता, गीतांजलि श्री

इकाई–3 दलित विमर्श : अर्थ, अवधारणा, महत्व और सैद्धांतिकी **(18 व्याख्यान)**

प्रमुख साहित्यकार : हीरा डोम, अछूतानंद, मोहनदास नैमिसराय, ओमप्रकाश वाल्मीकि, सूरजपाल चौहान, तुलसीराम, सुशीला टांकभौरे, कौशल्या बैसंत्री

इकाई–4 आदिवासी विमर्श : अर्थ, अवधारणा और सैद्धांतिकी **(18 व्याख्यान)**

प्रमुख साहित्यकार : रामदयाल मुण्डा, श्रीप्रकाश मिश्र, निर्मला पुतुल, हरीराम मीणा, अनुज लुगुन, जसिंता केरकट्टा

इकाई–5 चयनित पाठ **(18 व्याख्यान)**

अछूत की शिकायत – हीरा डोम (कविता)

सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि (कहानी)

हॉकी खेलती लड़कियाँ – कात्यायनी (कविता)

अपनी जमीन तलाशती बेचैन स्त्री – निर्मला पुतुल

खरगोशों का कष्ट – रामदयाल मुंडा

दोहरा अभिशाप – कौशल्या बैसंत्री (प्रमुख अंश)

अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान (आत्मकथांश)

सहायक ग्रन्थ :

- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिकता के आइने में दलित – संपादक अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- दलित साहित्य के प्रतिमान – डॉ. एन. सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आदिवासी दुनिया – हरिराम मीणा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
- आदिवासी स्वर और नई शताब्दी – संपादक रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- आदिवासी भाषा और शिक्षा – संपादक रमणिका गुप्ता, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
- आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
- साम्प्रदायिक राजनीति : तथ्य एवं मिथक – राम पुनियानी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- स्त्री मुक्ति का सपना – संपादक कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्त्री चिंतन की चुनौतियां – रेखा कस्तवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

Level-11

हिन्दी विभाग

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Mutli Disciplinary Major-6

HIN-MDM-423 (भारतीय साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-11 SEM-IV	HIN-MDM-423	भारतीय साहित्य	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Prof. Anand Prakash Tripathi

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य के प्रति समझ विकसित करना है।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से परिचित हो सकेंगे तथा अपने भारतीयता बोध का निर्माण कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
CO2	चयनित उपन्यास – संस्कार एवं मृत्युंजय के अध्ययन से तत्कालीन देश, काल एवं परिस्थिति से परिचित हो सकेंगे।
CO3	चयनित नाटक – हयवदन एवं सकाराम बाइंडर के अध्ययन से भारतीय नाटकों की बानगी को समझ सकेंगे।
CO4	चयनित आत्मकथाओं – सत्य के प्रयोग, रसीदी टिकट एवं अक्करमाशी के अध्ययन से आत्मकथा की आवश्यकता एवं उसकी उपयोगिता को समझ सकेंगे।
CO5	अन्य विधाओं के अन्तर्गत चयनित पाठों के अध्ययन से अपने भारतीय मानस बोध का निर्माण कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप **(18 व्याख्यान)**

हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति,
भारतीय साहित्य के इतिहास की संकलपना,
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्यायें

इकाई–2 उपन्यास **(18 व्याख्यान)**

संस्कार : यू.आर. अनन्तमूर्ति
मृत्युन्जय : वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य

इकाई–3 नाटक **(18 व्याख्यान)**

हयवदन : गिरीश कर्नाड

सखाराम बाइंडर : विजय तेंदुलकर

इकाई–4 आत्मकथा **(18 व्याख्यान)**

सत्य के प्रयोग : महात्मा गांधी

रसीदी टिकट : अमृता प्रीतम

अक्करमाशी : शरण कुमार लिम्बाले

इकाई–5 अन्य विधायें **(18 व्याख्यान)**

आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर

उत्तररामचरितम् : भवभूति

सहायक ग्रन्थ :

- भारतीय साहित्य – संपादक डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – संपादक डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
- भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप – संपादक आलोक गुप्त, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं – के. सच्चिदानंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय लेखन में प्रतिरोध की परंपरा – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय उपन्यास और आधुनिकता – वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
- भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं – रामविलास शर्मा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष – रोहिताश्व, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय उपन्यास की दिशायें – सत्यकाम, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

Level-11

हिन्दी विभाग

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-421 (रंगमंच, सिनेमा और हिन्दी साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-11 SEM-IV	HIN-SEC-421	रंगमंच, सिनेमा और हिन्दी साहित्य	4	0	0	4	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रंगमंच एवं सिनेमा के अध्ययन की सहूलियत पैदा करना है।
- रंगमंच और सिनेमा के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के साथ उसका सम्बन्ध समझ सकेंगे तथा साहित्य एवं समाज को नये सिरे से समझने की दृष्टि निर्मित कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	रंगमंच की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
CO2	हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे तथा चयनित नाटकों का अध्ययन कर समाज को समझने की दृष्टि पैदा कर सकेंगे।
CO3	सिनेमा के स्वरूप और विकास से परिचित हो सकेंगे।
CO4	साहित्य और सिनेमा के संबंध को समझ सकेंगे तथा साहित्यिक रचना के सिनेमा में रूपांतरण होने की प्रक्रिया को जान सकेंगे।
CO5	सिनेमा समीक्षा की दृष्टि पैदा कर सकेंगे तथा सिनेमा के लिए लेखन करने की कला विकसित कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 रंगमंच की अवधारणा और प्रकार **(15 व्याख्यान)**

रंगशिल्प, रंगभाषा, ध्वनि एवं संगीत, लोकमंच और देशज संवेदना, जनमंच और प्रतिरोध की संस्कृति, रंगमंच और नाटक

इकाई–2 हिन्दी नाटक : परिभाषा, स्वरूप और तत्व, उद्भव और विकास **(15 व्याख्यान)**

नाटक की परम्परा (संस्कृत नाटक, पारसी नाटक, पाश्चात्य नाटक, हिन्दी नाटक)

चयनित नाटक : अंधेर नगरी, जिस लाहौर नहीं देख्या

इकाई–3 सिनेमा : स्वरूप और विकास **(15 व्याख्यान)**

हिन्दी सिनेमा का अतीत और वर्तमान

जनमाध्यम के रूप में सिनेमा

सिनेमा के प्रकार (लोकप्रिय सिनेमा, कलात्मक एवं समानांतर सिनेमा, बाल सिनेमा, डाक्यूमेंट्री, बेवसीरीज)

इकाई–4 साहित्य और सिनेमा का अन्तःसम्बन्ध **(15 व्याख्यान)**

सिनेमा और समाज, सिनेमा और राजनीति, सिनेमा और संस्कृति, सिनेमा की भाषा एवं सम्प्रेषणशीलता

साहित्यिक रचना का सिनेमा में रूपान्तरण : शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, चित्रलेखा, देवदास, उमराव जान

इकाई–5 सिनेमा समीक्षा **(15 व्याख्यान)**

मदर इंडिया, तारे जमीं पर, हिन्दी मीडियम

सिनेमा के लिए लेखन : पटकथा लेखन, संवाद लेखन, गीत लेखन

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र – जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
- सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- सिनेमा : समकालीन सिनेमा – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- सिनेमा : कल, आज और कल – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी सिनेमा को सौ वर्ष – दिलचस्प, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
- सिनेमा के सौ बरस – संपादक मृत्युंजय, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
- पश्चिम और सिनेमा – दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन दिल्ली
- नये दौर का सिनेमा – प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – नेमीचन्द जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचन्द जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास – डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
- आधुनिक भारतीय रंगलोक – जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद